नई शिक्षा नीति 2020 पर आधारित संशोधित चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम
शैक्षणिक वर्ष 2022–2023 से

कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा, झारखण्ड
विषय –संस्कृत

Credit :3	**Paper-Multi-Disciplinary Course** **Code - MDC-1**	**Semester-First** **समसत्र–प्रथम**
Full Marks: 75	**Passing Marks : 30**	

सामान्य संस्कृत अवबोधन्

Course outcomes: अधिगम उपलब्धियाँः–

- **विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर संस्कृत के प्रमुख कवियों एवं उनकी उत्कृष्ट रचनाओं से अवगत हो सकेंगे।**
- **रामायण, महाभारत एवं श्रीमद्भगवद्गीता के माध्यम से उनका नैतिक एवं चारित्रिक उत्कर्ष होगा।**
- **विद्यार्थियों में अपनी संस्कृति के प्रति आस्था दृढ़ होगी।**
- **संस्कृत व्याकरण का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर उसकी वैज्ञानिकता से सुपरिचित हो सकेंगे।**

Unit **इकाई**	**Topics** **पाठ्य–विषय**	**No. of Lectures** **व्याख्यान–संख्या**
इकाईः–1	**संस्कृत शब्द की व्युत्पत्ति, अर्थ, संस्कृत की उपादेयता एवं महत्त्व, संस्कृत के प्रमुख कवियों एवं उनकी रचनाओं का सामान्य परिचय (कालिदास, भारवि, माघ एवं भवभूति)**	**10**
इकाईः–2	**संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय** (रामायण, महाभारत, श्रीमद्भगवद्गीता)	**15**
इकाईः–3	**संस्कृत व्याकरण का सामान्य परिचय** (व्याकरण की परिभाषा, प्रयोजन), **संस्कृत के प्रमुख वैयाकरण** (पाणिनि, कात्यायन, पतंजलि का परिचय)	**20**

सामान्य अनुदेश			
समय – 3 घंटे	पूर्णांक – 75		अंक विभाजन
अंतिम समसत्र परीक्षा पूर्णांक 75	A	(i) बहुविकल्पी प्रश्नोत्तर	1x5=05
		(ii) लघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर	5x1=05
		(iii) लघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर	5x1=05
	B	(iv) दीर्घ उत्तरीय प्रश्नोत्तर	15x4=60

संस्तुत ग्रन्थः–

- संस्कृत साहित्य का इतिहास, आचार्य बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी।
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', चौखम्बा भारती अकादमी, वाराणसी, पुनर्मूद्रित 2012।
- संस्कृत सहचर, आचार्य राधामोहन उपाध्याय।
- व्याकरणशास्त्र का संक्षिप्त इतिहास, श्री रमाकान्त मिश्र, चौखम्बा विद्याभवन।